

कृष्णा आईटीआई के आसपास के क्षेत्रों में भी जलापूर्ति बाधित रहेगी। इसके अलावा छोटी बाजारों में से जुड़े मेन रोड छोटी बाजार बाजरी धर्मशाला, राम मंदिर के पीछे का क्षेत्र, पुराना पावर हाउस क्षेत्र, शशि चौक, रघुवंशी मोहल्ला, हरिजन मोहल्ला, धीमपी मोहल्ला, मीरा पार्क के सामने, पातालेश्वर क्षेत्र, गीतांजलि, कालोनी, त्रिलोकी नगर, चूड़ा बाबा मंदिर एवं जनता कॉलोनी में जलदायक बंद रहेगा। 15 एमएलटी टंकी से जुड़े चंचनगांव हाउसिंग बोर्ड, साउथ सिविल लाइंस, देवर कॉलोनी, राजनगर, गुरैया रोड तथा टीआईआई के पीछे के क्षेत्रों में भी जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे आवश्यकतानुसार पानी का संग्रह पूर्व में कर लें। मरम्मत कार्य पूर्ण होने के बाद जलापूर्ति पुनः सामान्य रूप से बहाल कर दी जाएगी।

हरिभूमि न्यूज ❧ छिंदवाड़ा, मनीष गड़करी

पेंच नेशनल पार्क के बफर जोन में जंगल संरक्षण के तमाम दावों के बीच सागौन तस्करी का खेल लगातार जारी रहने के आरोप सामने आ रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों और वन क्षेत्र से जुड़े पत्रों का कहना है कि कुभपानी-थोटा क्षेत्र में पिछले कई महीनों से संगठित तरीके से सागौन के पेड़ों की कटाई हो रही है। हेरानी की बात यह है कि यह पूरा क्षेत्र पेंच नेशनल पार्क के बफर जोन में आता है, जहां वन्यजीव संरक्षण और वन संपदा की सुरक्षा के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था होने का दावा किया जाता है। जानकारों का कहना है कि जंगल में जहां आम नागरिकों की आवाजाही तक नियंत्रित रहती है, वहीं तस्करो के लिए रास्ते खुले दिखाई दे रहे हैं। रात के अंधेरे में कीमती सागौन के पेड़ों को काटकर छोटे-छोटे टुकड़ों में परिवर्तित किया जाता है और बाद में इन्हें विभिन्न माध्यमों से जंगल से बाहर पहुंचा दिया जाता है। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी तेज है कि बिना किसी मजबूत संरक्षण या मिलीभगत के इतने बड़े स्तर पर अवैध कटाई संभव नहीं है।

ग्रामीणों में बढ़ रहा आक्रोश: क्षेत्र के ग्रामीणों का कहना है कि एक ओर सामान्य ग्रामीणों पर जंगल से सूखी लकड़ी लाने तक पर कार्रवाई की जाती है, वहीं दूसरी ओर सागौन जैसे बहुमूल्य वृक्षों की अवैध कटाई के मामले में अपेक्षित सख्ती दिखाई नहीं देती। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीणों की मांग है कि कुभपानी, थोटा और आसपास के वन क्षेत्रों का संयुक्त सर्वे कराया जाए तथा पिछले एक वर्ष में हुए वृक्ष नुकसान का रिकॉर्ड सार्वजनिक किया जाए। इसके साथ ही संबंधित क्षेत्रों में ड्रोन सर्वे और विशेष निगरानी अभियान चलाने की भी मांग उठ रही है।

उच्चस्तरीय जांच की मांग : स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि केवल छोटे स्तर की कार्रवाई से समस्या का समाधान नहीं होगा। यह पता लगाया जाना चाहिए कि आखिर जंगल से सागौन की लकड़ी बाहर कैसे पहुंच रही है, किन मार्गों का उपयोग किया जा रहा है और इसके पीछे कौन लोग सक्रिय हैं। वन संरक्षण से जुड़े लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो पेंच के बफर जोन की वन संपदा को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। जिस क्षेत्र की वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा का मॉडल माना जाता है, वहां यदि तस्करी बखोफ होकर पेड़ काट रहे हैं तो यह पूरे संरक्षण तंत्र के लिए चिंता का विषय है।

बफर जोन में बढ़ रही अवैध गतिविधियां

पेंच का बफर जोन वन्यजीवों और पर्यावरणीय संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह क्षेत्र मुख्य वन क्षेत्र और मानव बस्तियों के बीच सुरक्षा कवच का काम करता है। लेकिन हालात ऐसे बनते दिखाई दे रहे हैं कि जहां पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवों का सफर दिखना चाहिए, वहां सागौन तस्करो का सफर उजाड़ सक्रिय नजर आ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि जंगल के भीतर कई स्थानों पर ताजा कटे हुए टूट देखे जा सकते हैं। कई जगहों पर सागौन के बड़े पेड़ों को काटने के बाद उनके अवशेष तक नहीं मिलते, जिससे यह आशंका और गहरी जाती है कि पूरी कार्रवाई सुनियोजित तरीके से की जा रही है।

कट रहे जंगल, कमजोर हो रहा पर्यावरण

वन विशेषज्ञों का मानना है कि सागौन केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण वृक्ष है। बड़े पैमाने पर सागौन की कटाई से जंगलों का घनत्व कम होता है, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास प्रभावित होते हैं और जल संरक्षण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कुभपानी-थोटा क्षेत्र में यदि लगातार पेड़ों की कटाई हो रही है तो इसका सीधा असर आने वाले वर्षों में स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ सकता है। जंगलों के कमजोर होने से मानव-वन्यजीव संघर्ष की संभावनाएं भी बढ़ सकती हैं।

वन विभाग की गश्त पर सवाल

क्षेत्र में लगातार सामने आ रही शिकायतों के बाद वन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि नियमित गश्त और प्रमाणी निगरानी हो रही है तो फिर इतनी बड़ी संख्या में पेड़ कैसे काटे जा रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार मौखिक शिकायतों भी की गईं, लेकिन कार्रवाई का असर जमीन पर दिखाई नहीं दिया। यही कारण है कि अब लोगों के बीच यह चर्चा होने लगी है कि कहीं न कहीं तस्करो के हौसले बढ़ाने वाली परिस्थितियां मौजूद हैं।

लकड़ी की तस्करी का संगठित नेटवर्क होने की आशंका

वन क्षेत्र से जुड़े जानकारों का मानना है कि सागौन की तस्करी कोई छोटा-मोटा अपराध नहीं है। इसकी बाजार में ऊंची कीमत होने के कारण इसके पीछे अक्सर संगठित नेटवर्क सक्रिय रहते हैं। पेड़ काटने से लेकर लकड़ी को सुरक्षित ठिकानों तक पहुंचाने और फिर बाजार में खपाने तक कई स्तरों पर काम किया जाता है। सूत्रों के अनुसार जंगल से निकाली गई लकड़ी को पहले छोटे-छोटे हिस्सों में काटा जाता है, ताकि उसे आसानी से परिवहन किया जा सके। बाद में उसे फर्नीचर या अन्य लकड़ी उत्पादों के रूप में खपाने की कोशिश की जाती है। यदि इन आरोपों की निष्पक्ष जांच हो तो पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सकता है।

। जिले की परंपरा के अनुरूप इससद्वार्षिक सद्भावना
बार भी शांति, साम्प्रदायिक सद्भावना
एवं भाईचारे के साथ सभी धर्मों का
सम्मान करते हुये कौमी एकता की
मिसाल कायम करते हुए ल्यौरा
मनाने की अपील की गई। संघर्ष के
सदस्यों से मोहरम के ल्यौरा
दौरान आयोजित होने वाले प्रतिदिन
के कार्यक्रम के लिए अलग-अलग
वॉलंटियर्स की सूची उपलब्ध कराने
की अपील की गई। इस बार भी
बाहरी व्यक्तियों पर पूरी नजर रखी
जाएगी। ताजिक की ऊंचाई पूर्व वर्षों
की भांति ही रखने का आग्रह किया
गया । पुलिस की ओर से पर्याप्त
पुलिस बल लगाया जाएगा
आवश्यकता के अनुरूप महिला
पुलिस बल भी तैनात किया जाएगा।

खबर संक्षेप

गांव की सड़कों पर फैल रहा नालियों के गंदे पानी सहित कीचड़ का साप्तांग्र्य, कैसे सफल हो पायेगा सरकार का स्वच्छता अभियान?



हरिभूमि न्यूज़/नांदेनर। जहां एक ओर शासन द्वारा लोगों को स्वच्छता का पाठ पढ़ाते हुए गांव गांवो पक्के शौचालयों का निर्माण कराया है वहीं दूसरी ओर सारी दुनिया में कोहराम मचाने वाले कोरोना वायरस से जंग लड़ने के बाद अब नई नई बीमारियाँ जन्म लेते हुये देखी जा रही है? मगर वहीं दूसरी ओर गांवों की सड़को पर जिस प्रकार से बह रहे गंदे पानी के कारण गांवों में गंदगी का आत्‍म देखने मिल रहा है उसके चलते शासन द्वारा चलाई जा रही स्वच्छता की मुहिम को पंचायत द्वारा ग्रहण लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। इस सच्चाई को देखते हुए लोग यह बात कहने से नहीं चूक रहे है कि सिर्फ शौचालय बनवाने से क्या स्वच्छ भारत का सपना पूरा हो जायेगा? इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत साईंखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत आमगांव छोटा में देखने मिल रही है जहां पर गांव की मुख्य सड़कों पर जिस प्रकार से कीचड़ का साम्राज्य फैला हुआ है उसको देखते हुये जहां पंचायत की कार्य प्रणाली उजागर होने से नहीं चूक पा रही है। वहीं दूसरी ओर ग्रामवासियों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये भी देखा जा रहा है। बताया जाता है कि इन दिनों गांव के मुख्य मार्ग में गंदगी, कीचड़ व्याप्त होने से लोगों को आवागमन में अस्ुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रकार से गांव के मुख्य सड़क पर बह रहा नालियों का गंदा पानी सहित कीचड़ का साम्राज्य होने कारण आमजन को निकलना मुश्किल हो रहा है, जिसके चलते ग्रामवासियों का कहना है कि गांव में कीचड़ व्याप्त होने की समस्या से पूर्व में ग्राम पंचायत को कई बार अवगत कराया गया किंतु पंचायत ने अभी तक इस समस्या को हल कराने में रूचि नहीं दिखायी, जिसका नतीजा है कि ग्रामवासियों को वर्तमान में कीचड़ युक्त रास्तों पर चलने मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर इस प्रकार से मुख्य मार्ग पर गंदा पानी भरा रहने के कारण अनेक प्रकार के मच्छर भी जन्म ले रहे है, जिसके चलते बीमारियाँ फैलने की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। क्योंकि जहां एक ओर इस समय पड़ रही भीषण गर्मी के चलते ज़स तरह आये दिन नई नई बीमारियों की लोगों में दहशत में दिखाई पड़ रही है जिसके चलते सरकार द्वारा गांवों में अनेक प्रकार के प्रयास करते हुये लोगों को सुरक्षित रखने में जुटी हुई देखी जा रही है दूसरी ओर गांव की सड़को की इस सच्चाई निश्चित ही अनेक प्रकार के सवाल खड़े करने से नहीं चूक पा रही है।

सूरज की तपन से मानव जीवन से लेकर पशु पक्षी भी परेशान, पानी के लिए भटक रहे मूक पशु

हरिभूमि न्यूज़/ सालीचोका। इन दिनों भीषण गर्मी अपने शबाब पर रहने से सूर्यदेव के रौंदा स्पर्ष दिखाने से नगर की गलियों में खूबानटे का आत्‍म जहां दिखायी दे रहा है। वहीं धूप की कुलन के दौरान लोगों का सड़कों पर चरना दूसर हो रहा है। इस प्रार से देखा जा रहा है कि गर्मी के तेवर तीस होते जाने से शहर की जीवन रेखा अचर्र्त बंदी की जल राशि समाप्त हो चुकी है। और शहर का जल स्तर भी कम होने लगा है, जिसके वक्ते जहां मूक पशु पीने के पानी को लेकर परेशान नज़र आ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर पक्षियों को भी गर्मी के चलते ठंडक पाने के लिए भटकते हुए देखा जा रहा है। इसि दृश प्रकार से देखी जा रही है कि गर्मी का असर सबसे ज्यादा ज पक्षियों पर पड़ रहा है जिसके वक्ते वह पानी की खोज में भटकते हुए देखे जा रहे हैं। हलाक यह है कि गर्मी के भीषण होते जाने से दोपहर में पक्षियों की आवाज कम सुनी जा रही है और शहर का वातावरण अजीब हो गया है। गौरललब है कि गर्मी के एकाएक बड़ने का पिरीयों असर जन स्वास्थ पर भी पड़ रहा है। इस समय लगातार बढ़ती जा रही गर्मी से परेशान शहरवासियो का कहना है कि गर्मी तो अपना असर दिखाने बैताब है पर उससे पीड़ित होने वालों की खुश निम्नद्वारे द्वारा नहीं ली जा रही है, नगर के कई वार्डों में गंदगी के लगे अम्बारो को हटाने, चोक नालियों खोलने व नगर के अनेक वार्डों में छूड़ पेजल आपूर्ति की व्यवस्था व होने से माहौल जिस तरह प्रदूषित हो रहा है।

उमस भरी गर्मी भी नहीं रोक पाये नर्मदा भक्तों के आस्था का जुनून, ज्येष्ठ व पुरुषोत्तम माह की पूर्णिमा पर क्षेत्र के नर्मदा तटों पर उमड़ा भक्तों का सैलाब

हरिभूमि न्यूज़/गाडरवारा।

सदा ही क्षेत्रवासियों को अपना आर्शीवाद प्रदान करते हुये खुशहाल बनाने वाली माँ नर्मदाजी के भक्तों द्वारा वैसे तो हर माह पूर्णिमा को आस्था की डुबकी लगाने के लिये लोग माँ नर्मदा तटों पर पहुंचते है। मगर जिस तरह बीते हुये शनिवार की रात यानि की ज्येष्ठ पूर्णिमा के मौके पर माँ नर्मदा भक्तों के बीच आस्था को जुनून देखने मिला है। वह निश्चित तौर से अनोखा था। क्योंकि इस समय पड़ रही तेज गर्मी के बीच लोगों को हलाकान करने से नहीं चूक रही थी। गर्मी के बीच पसीना से हलाकान होने के बाद भी हजारों की संख्या में माँ रेवा मैया के भक्त इस तरह पैदल जाते हुये देखे जा रहे थे कि मौसम की मनमानी भी उनके दिलों में पैदा हुई माँ नर्मदाजी की भक्ति की भावना को रोकने में असफल रही और इसके बाद भी माँ नर्मदा के लिये पैदल जाने वाले भक्तों की नगर की सड़को पर रात भर लाईन लगी हुई देखी गई। रात के समय इस तरह पैदल नर्मदाजी के स्नान करने जाने वाले लोगों में सिर्फ पुरूष ही नहीं बल्कि इस तरह छोटे छोटे छोटे बच्चे भी शामिल थे जो गाडरवारा शहर के साथ यहां से लगभग 20-25 किलो मीटर दूर से पैदल चलकर माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये ककरा घाट जा रहे थे। इस तरह शहर के बीचों बीच से निकल रहे माँ के भक्तों को पानी टंकी के पास मनोज पटेल की टीम द्वारा तो आमगांव नाका पर समाजसेवियों द्वारा चाय नास्ता के साथ सभी पैदल जा रहे भक्तों का स्वागत किया गया। इस संबंध में ग्राम मोहपानी ज्वासी माँ नर्मदा भक्त महिला ने चर्चा करते हुये बताया कि वह हर पूर्णिमा को पैदल चलकर नर्मदाजी के स्नान करने के ल्पये जाती है। इस तरह हम अपने घर से दोपहर दो बजे के लगभग पैदल निकलते है और शाम 7-8 बजे गाडरवारा पहुंच



जाते है और रात भर पैदल चलते हुये सुबह 5 बजे माँ नर्मदाजी के ककरा घाट पहुंचकर स्नान करते हुये पूजन अर्चन करते है। हमे कभी भी न तो कोई थकान होती है और न ही कोई परेशानी। इसी प्रकार से पैदल नर्मदा स्नान करने जा रहे 14 वार्षिय बालिका का कहना था कि म अपने माता पिता सहित गांव के अन्य लोगों के साथ माँ नर्मदा जी के स्नान करने के लिये पैदल



जाते है और इस तरह पूर्णिमा के मौके पर अनेको बार जा चुके है। मगर कभी कोई परेशानी नहीं हुई है। इस तरह उमस भरी तेज गर्मी के साथ आसमान पर उमड़ते हुये काले बादलों बीच नर्मदाजी के स्नानों के लिये पैदल जा रही लोगों की भीड़ नगर व क्षेत्र में धर्म का अनोखा प्रस्तुत करने से नहीं चूक रही थे। इस तरह बीते हुये शनिवार की रात नगर की सड़को पर हजारों की संख्या में माँ नर्मदा स्नान करने के लिये पैदल जाने वाले भक्तों के जत्थें रात भर निकलते हुये देखे गये तो दूसरी ओर सुबह होते ही क्षेत्र के गांवों में ट्रेक्टर ट्रालियों में सवार होकर भी हजारों लोग माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पहुंचे। इस तरह ज्येष्ठ पूर्णिमा के मौके पर नर्मदा तटों पर उमड़े हुये हजूम के चलते मेला जैसा दृश्य दिखाई पड़ने से नहीं चूक रहा था। इस तरह का हाल क्षेत्र के सिर्फ ककरा घाट का ही नहीं बल्कि शोकलपुर, झकोली, थरेरी, कोटिया, घघरोला खुर्द, लिंगा खुर्द, भटेरा घाट

सहित अन्य घाटों का भी देखने मिला जहां पर हजारों की संख्या में माँ नर्मदा भक्तों ने नर्मदा तटों पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाते हुये पूजन अर्चन करते हुये अनेक जगहों पर भगवान सत्य नारायण जी की कथा संपन्न कराई गई तो अनेक लोगों द्वारा भंडारे के आयोजन भी किये गये। इस तरह हर पूर्णिमा के मौके पर क्षेत्र के ककरा घाट सहित अन्य घाटों पर माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाने वाले भक्तों की भीड़ की लाईने लगी रहती है। मगर इन

भक्तों को उस दौरान परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है कि भीड़ के बीच से रात रात भर भारी भरकम डम्परों की धमाचौकड़ी मजी रहती है। पूर्णिमा की पूर्व संंध्या पर क्षेत्र के नर्मदा तटों को पहुंचने वाले मार्गों पर एक रात के लिये इस तरह भारी वाहनों की धमाचौकड़ी पर प्रतिबंध के ल्पये लगातार भक्तों द्वारा मांग उठाई जाने के बाद भी जिले के ज़म्मेदार अधिकारियों से लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा नज़र अंदाज किये जाने से नम्रदा भक्तों की जिन्दगी को खतरा पैदा होने से नहीं चूक पा रहा है..? क्योंकि गाडरवारा के आलवा क्षेत्र के ग्राम सुखाखैरी, गोटीटोरिया, िसंहपुर, बारहाबड़ा, महर्गवा सहित अन्य गांवों से पैदल जाने वाले नर्मदा भक्तों को देखा जाा है कि वह अपनी थकान मिटाने के लिये मुख्य रास्ते पर ही बैठ जाते है और बैठे बैठे बच्चों को नौंद आने की स्थिति में वह चंद मिनितों के लिये रास्तों पर ही सो जाते है। इस स्थिति में पूर्णिमा की रात इन भारी भरकम डम्परों की धमाचौकड़ी क्सरी दिन इन माँ नर्मदाजी के भक्तों की जिन्दगी के लिये खतरा पैदा करने से नहीं चूक पायेगी।

घूरपुर में विकास कार्यों की आधारिशला रखते हुये बोले मंत्री सिंह, सरकार सभी वर्गों की चिंता कर उनके समग्र विकास के लिए काम कर रही है



हरिभूमि न्यूज़/ गाडरवारा। प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि सरकार सभी वर्गों की चिंता कर उनके समग्र विकास के लिए काम कर रही है। सरकार बच्चों, किसानों, युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों, श्रमिकों सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। नागरिकों के आवागमन के लिए गांव-गांव तक पक्की सड़कों और पुल-पुलियों का निर्माण किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना प्रारंभ कर गरीब परिवारों के लिए पक्के मकानों में रहने का सपना पूरा किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के तहत गांव-गांव में पक्के आवासों का निर्माण किया जा रहा है। मंत्री राव उदय प्रताप सिंह शनिवार को विकासखंड साईंखेड़ा के ग्राम घूरपुर में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम



को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक, पूर्व विधायक नरेश पाठक, मिनेन्द्र डागा, सुरेश श्रीवास्तव, मोहरकांत पटेल, भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत शर्मा, राजेश पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। इस दौरान मंत्री सिंह ने आयोजित कार्यक्रम में ग्राम घूरपुर में 72 लाख 33 हजार रुपये के निर्माण कार्यों का लोकार्पण

रोटरी क्लब द्वारा निःशुल्क कैंसर जागरूकता परीक्षण एवं निदान शिविर में अनेक मरीजों को मिला लाभ



हरिभूमि न्यूज़/ गाडरवारा। समाज सेवा के लिये सदा ही आगे रहने वाले नगर के रोटरी क्लब द्वारा बीते हुये रविवार को स्थानीय महावीर भवन में सुप्रसिद्ध कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम जी रावत (रफेसर, मेडीकल कॉलेज, जबलपुर) एवं उनकी टीम द्वारा विशाल कैंसर जागरूकता, निःशुल्क कैंसर परीक्षण एवं निदान शिविर का आयोजन किया गया। बताया जाता है क इस शिविर में लगभग 72 मरीजों का स्वास्थ परीक्षण किया गया जिसमे लगभग 12 मरीजों में कैंसर के शुरुआती लक्षण पाए गये। शिविर का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप जलाकर किया गया। इस अवसर पर शिविर के मुख्य अतिथि विनोत माहेश्वरी (समाजसेवी) ने कहा कि कैंसर अत्यंत खतरनाक एवं जानलेवा बीमारी है। इस बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर का आयोजन सराहनीय कार्य है। मुख्य अतिथि दिनेश मालपानी (समाजसेवी) ने कहा कि सम्पूर्ण विश्व में कैंसर से अनेक लोग जान गुं चूके है। सभी लोगों को इस बीमारी के प्रति सचेत रहने की जरूरत है। डॉ श्याम रावत ने कहा कि कैंसर के शुरुआती लक्षणों की पहचान बेहद आवश्यक है। कैंसर की



शुरुआत से इसका इलाज शुरू हो जायें तो अच्छा रहता है। रोटरी क्लब के असिस्टेंट गवर्नर अशोक राजपूत ने कहा कि रोटरी क्लब का उद्देश्य हमेशा से ही समाजसेवा से जुड़े कार्य करते हुए पीड़ित मानवता की सेवा करना है। उदबोधन में शिविर के असिस्टेंट गवर्नर मिनेन्द्र डागा ने कहा कि रोटरी क्लब का गठन समाजसेवा के लिए ही हुआ है। क्लब द्वारा समय समय जनहित से जुड़े कार्य किये जाते रहते है। क्लब के अध्यक्ष सुरेन्द्र साहू ने शिविर की रुपरेखा से अवगत कराया। कार्यक्रम का मंच संचालन क्लब के सचिव मनोज वशा एवं अंत में आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष संजय गुप्ता ने किया। शिविर के आयोजन में डॉ डी एस चौधरी, डॉ उपेंद्र वक्त्रकार, डॉ स्वाति कुरचानिया एवं सहयोगी निखिल साहू, अजय घार, के एल धानक, अभय नीखरा सक्रिय दिखे। इसके अलावा रोटरी क्लब से राजेश गुप्ता, मनीष जायसवाल, प्रियांक सोनी, मनोज राय, विजय नायक, हर्षित वैद्य, राजीव जैन, शरद मौलासरिया, अमित पटेल, अनिल अहलवालिया, रत्नदीप जायसवाल, वी पी त्रिपाठी, अरुण तिवारी, स्वास्थ समिति चेयरमैन डॉ महेश रघुवंशी, नीलेश साहू, राजेश बरसेयां, श्रीकांत राठी, राजेश शर्मा गुट्टी महाराज सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मंत्री उदय प्रताप सिंह द्वारा धूनी नगरी साईंखेड़ावासियों को विद्युत समस्या से निपटने के लिये प्रदान की गई सौगात

हरिभूमि न्यूज़/ साईंखेड़ा।

क्षेत्र के विकास के साथ साथ क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के निदान में क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राव उदय प्रताप सिंह कभी पीछे नहीं रहते है। क्योंकि उनका कहना है कि मेरे क्षेत्र की जनता मेरे परिवार के समान है और यदि परिवार को कोई सदस्य परेशान रहे तो यह बात कभी स्वीकार नहीं की जा सकती है। इसी के चलते उन्होंने दादा धूनी वालों की नगरी साईंखेड़ा नगर की विद्युत व्यवस्था को मजबूत एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में अपनी ओर से पहल करते हुये महत्वपूर्ण कार्यों का शुभारंभ किया गया है। नगर के वार्ड क्रमांक 1, 5, 8 एवं 15 में विद्युत आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए 4 नए डीपी ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही विद्युत केबल सुधारीकरण के लिए स्वीकृत 10 लाख रुपये की राशि से कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।रविवार को वार्ड स्थित खिरका मोहल्ला में नई हैवी विद्युत केबल लाइन बिछाने के कार्य का शुभारंभ किया गया। बताया जाता है कि लंबे समय से इस क्षेत्र के नागरिक बिजली के जर्जर तारों के कारण परेशान थे। क्योंकि आये दिन तार टूटने की घटनाएं होने से न केवल विद्युत आपूर्ति बाधित होती थी, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता था। क्षेत्रवासियों द्वारा इस समस्या की शिकायत नगर परिषद एवं विद्युत विभाग से लगातार की जा रही थी। मंत्री उदय प्रताप सिंह



किया जाएगा, जिससे पूरे नगर की विद्युत व्यवस्था में व्यापक सुधार देखने को मिलेगा। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सर्जिन अग्रवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष कीरत सिंह पटेल, नगर परिषद सभापति एवं पार्षद ओमप्रकाश पटेल तथा भाजपा कार्यकत मनजीत पटेल उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नगरवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और आगे भी विकास कार्यों की गति बनी रहेगी। क्षेत्र के नागरिकों ने माननीय मंत्री उदय प्रताप सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी तत्परता एवं जनहितेयी सोच के कारण नगर की वर्षों पुरानी बिजली संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान संभव हो रहा है। नागरिकों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार विकास कार्यों के माध्यम से नगर को नई सौगातें मिलती रहेंगी।



के प्रयासों से स्वीकृत इस कार्य के शुरू होने पर नागरिकों ने राहत की सांस ली है। नए डीपी ट्रांसफार्मरों की स्थापना से संबंधित वार्डों में आवर लोडिंग की समस्या समाप्त होगी, जिससे बार-बार होने वाले विद्युत व्यवधानों में कमी आएगी। वहीं नई हैवी केबल लाइन से विद्युत व्यवस्था अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनेगी। जानकारी के अनुसार नगर के मुख्य मार्गों एवं आवश्यकता वाले क्षेत्रों में भी चरणबद्ध तरीके से नवीन केवलीकरण का कार्य विद्युत विभाग द्वारा

खबर संक्षेप

अज्ञात कारणों से मकान में लगी आग, गृहस्थी का सामान जलकर खाक

हरिभूमि न्यूज सिवनी । जिले के लखनादौन विकास खण्ड अंतर्गत ग्राम चणारगढ़ में शुक्रवार देर रात एक मकान में अज्ञात कारणों से आग लग जाने से घर में रखा हुआ हथूरी का सामान जलकर खाक हो गया। घटना रात करीब 2.30 बजे की बताई जा रही है। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया और घर के अंदर रखा अधिकांश सामान नष्ट हो गया।

जानकारी के अनुसार मकान मालिक एवं उनकी पत्नी उस समय घर के बाहर आँगन में सो रहे थे। इसी दौरान आचानक मकान से धुआँ और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। आग लगने की जानकारी मकान मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलने के कारण उस पर काबू पाना संभव नहीं हो सका। घटना की सूचना तत्काल दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलने के बाद दमकल वाहन मौके के लिए रवाना हुआ, लेकिन उसके पहुंचने तक मकान और उसमें रखा अधिकांश सामान जल चुका था।

आग से घर में रखे कपड़े, बिस्तर, अनाज, घरेलू उपयोग की सामग्री व अन्य आवश्यक सामान नष्ट हो गया। हालांकि आग लगने के तुरंत सही कार्रवाी का अभी तक पता नहीं चल सका है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि आग आसपास के अन्य मकानों तक फैल जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। सौभाग्य से समय रहते ग्रामीणों ने सतर्कता दिखाई, जिससे आग को अन्य घरेलू तक फैलने से रोक लिया गया। घटना में किसी भी प्रकार की जवाहीन नहीं हुई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

मकान मालिक और उनके परिजनों ने बताया कि वर्षों की मेहनत से जुटाया गया घरेलू सामान आग की भेंट चढ़ गया। आगजनी से हुए नुकसान का आकलन अभी नहीं हो सका है, लेकिन प्रारंभिक अनुमान के अनुसार आर्थिक क्षति काफी अधिक बताई जा रही है।

घटना की जानकारी मिलने पर संबंधित विभाग एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा मामले की जानकारी को तुरंत जांचा जा रही है। आग लगने के कारणों की जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। सिकलहाल गांव में इस घटना को

आईटीआई में प्रवेश
प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज सिवनी । शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, सिवनी एवं जिले की समस्त आईटीआई में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया 26 मई 2026 से प्रारंभ हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी अपना पंजीयन ऑनलाइन पोर्टल [सहाय्य.द्वारा.दृश.1.दृष्ट](#) पर स्वयं, किसी भी ऑनलाइन सहायता केंद्र अथवा नजदीकी शासकीय आईटीआई के हेल्पडेस्क के माध्यम से करा सकते हैं। पंजीयन उपरांत विलंबित संस्था एवं व्यवसाय का चयन 01 जून 2026 से किया जा सकेगा।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया उपजेल लखनादौन का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज सिवनी । प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्याक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी सतीश चन्द्र राय द्वारा शनिवार को उपजेल लखनादौन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रकरणों में निरूद्ध बंदियों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य, सुविधाओं एवं प्रकरणों की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान बंदियों से उनके प्रकरणों की ऐसी की संबंध में चर्चा करते हुए उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने के अधिकार के बारे में अवगत कराया गया।

जिजिन बंदियों के पास अधिवक्ता उपलब्ध नहीं हैं, जन्म जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराए जा सकें की जानकारी भी दी गई। इसके साथ ही दोषसिद्ध बंदियों से अपील संबंधी जानकारी प्राप्त कर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

इस अवसर पर प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश लखनादौन श्री संजीव कुमार पौलीवाल, न्यायाधीश एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी श्री सविन चौक सहित जेल स्टाफ उपस्थित रहा।



हरिभूमि न्यूज ►► सिवनी ।

जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग-44 स्थित बंजारी घाटी में रविवार दोपहर एक सड़क हादसा हो गया। पपीते से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चालक घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना रविवार 31 मई को दोपहर करीब 1 बजे हुई। कर्नाटक के मैसूर से पपीते लेकर दिल्ली जा रहा ट्रक बंजारी घाटी के पास अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में ट्रक चालक रमन नायक (40 वर्ष) गायब हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल मदद करते हुए उसे छपारा अस्पताल पहुंचाया, जहां

बताया जा रहा है। पुलिस मामले की कर रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर घाटी क्षेत्र को दुर्घटना संभावित म क्योंकि यहां तीखेमोड़ और ढलान वाहन चालकों से घाटी क्षेत्र में नि चलने और यातायात नियमों का पा अपील की है।

स्तुत जांच
यत बंजारी
जाता है,
पुलिस ने
त गति से
करने की

र वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में
टक्कर काफ़ी तेज थी, जिससे
टनास्थल पर ही दम तोड़
सुनकर आसपास के लोग
ब तक उनकी मृत्यु हो चुकी
घटना की सूचना कान्हीवाड़ा

प्रमुख मार्गों और टोल नाकों से भी की जा रही है। तकनीकी साध्यों और से मिली सूचनाओं के आधार पर वाक की पहचान करने का प्रयास किया के बाद क्षेत्रवासियों ने मुख्य मार्गों पर नियंत्रण लगाने और रात के समय व्यवस्था को मजबूत करने की मांग

**सर्व न्याय संस्था ने रानी दुर्गावती वार्ड
में विधिक सहायता शिविर आयोजित**

हरिभूमि न्यूज सिवनी।। सामाजिक-न्याय संस्था सर्वे न्याय के द्वारा रानी दुर्गावती वार्ड में स्वामी विवेकानंद प्रार्थमिक विद्यालय में विशिष्ट सहायता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर सुबह 9 बजे से 12 बजे तक चला और इसमें लगभग 300 से अधिक स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। शिविर



म उद्योगस्थित लोगों को प्रशिक्षण, लीज, खदान पर्वी, बिजली बिल, राशन, आवास, जल आपूर्ति, आवासीय प्रशिक्षण, प्रधानमंत्री आवास योजना और नगरपालिका के संस्थापन से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर प्रमुख कानूनी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। संस्था ने बताया कि इससे पहले भी कई बार ऐसे शिविर आयोजित किए जा चुके हैं और भविष्य में सिवनी के अन्य वार्डों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार नियमित शिविर लगाए जाएंगे। संस्था के संस्थापक एवं जुड़े अधिकारियों एडवोकेट वर्षा ठाकरे, एडवोकेट रोहित डहेरिया, एडवोकेट प्रवीण, एडवोकेट अर्पित देशमुख, एडवोकेट जा सलूते और एडवोकेट नवेन्द्र मिश्रा ने शिविर में आए नागरिकों को उनकी समस्याओं के समाधान हेतु उपयुक्त मार्गदर्शन दिया। आयोजन में स्थानीय नागरिक दिनेश लूथरा, नरेन्द्र अप्पलाल आदि का सहयोग रहा। शिविर के संचालन में नगर पालिका के कर्मचारियों ने भी मदद प्रदान की। संस्था का कहना है कि यह पहल स्थानीय लोगों तक कानूनी मदद पहुंचाने और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर जारी रखी जाएगी।

मीषण गर्मी के बीच प्री-मानसून की दस्तक: आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से जनजीवन अस्त-व्यस्त

हरिभूमि न्यूज ►► सिवनी ।

भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को शनिवार दोपहर मौसम के अचानक बदलने मिजान ने बड़ी राहत दी। प्री-मनसून की दस्तक के साथ तेज आंधी-तूफान, गरज-चमक और ओलावृष्टि के बीच हुई झमाझम बारिश ने तापमान में गिरावट लाई। हालांकि इस बारिश और तूफान ने राहत के साथ-साथ कई क्षेत्रों में नुकसान भी पहुंचाया है। सिवनी जिले के जनपद पंचायत केवेलारी अंतर्गत उपतहसील उगली क्षेत्र में तेजतेंज हवाओं और ओलावृष्टि का व्यापक असर देखने को मिला। ग्राम पंचायत खामी सहित आसपास के कई गांवों में तेज आंधी के कारण बिजली के तार टूट गए, जिससे रात भर विद्युत आपूर्ति बाधित रही।



बिजली गुल होने से ग्रामीणों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ी। तूफान की रफ्तार इतनी तेज थी कि महुआ, नीम और अन्य बड़े-बड़े पेड़ धराशायी हो गए। कई स्थानों पर पेड़ों के गिरने से रास्ते अवरुद्ध हो गए और आवागमन प्रभावित हुआ। ओलावृष्टि के कारण खेतों और पेड़-पौधों की भी भारी नुकसान पहुंचा। ग्रामीणों के

अनुसार कई पेड़ों की पत्तियाँ तक झड़ गईं और फसलों को भी क्षति पहुँची है। तेज हवाओं ने ग्रामीणों के मकानों को भी नहीं बख़्शा। अनेक घरों की कंकालीना उड़ गई, जबकि कई मकानों की टीन की चादरें हवा में उड़कर दूर जा गिरी। कुछ परिवारों के घरों की छतें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे बारिश का पानी सीधे घरों के अंदर

पहुंच गया। कई घरों में पानी भर जाने से घरेलू सामान भी खराब हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ समय के लिए ऐसा लहर रहा था और प्राकृतिक आपदा आ गई हो। तेज हवाओं, बारिश और ओलों के कारण लोग अपने घरों में दुबके रहने को मजबूर हो गए। हालांकि बारिश से भीषण गर्मी से राहत मिली है, लेकिन पृथ्वी और ओलावृष्टि से हुए नुकसान ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे करकर नुकसान का आकलन करने तथा पीड़ित परिवारों को उचित राहत एवं सहायता प्रदान करने की मांग की है। वहीं मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी मौसम के इसी प्रकार बने रहने की संभावना जताई है, जिससे लोगों को संतर्कित रहने की सलाह दी गई है।

विद्यासागर जी महाराज की
अर्थिका मां भावना पर माताजी स
प्राधान्य साहित्य में श्री दिगंबर जैन प
महासभा का विस्तार एवं गठन किया
गउन के दौरान उपाध्यक्ष पर गुर संदी
(बंटी), आलोक जैन, रविंद्र जैन
शक्ति पटेल को नियुक्त किया
महामंत्री पर के लिए पंकज जैन
जैन, प्रेम जैन एवं नितेश जैन को जि
प्रचार मंत्री के रूप में प्रियंक जैन, सां
राजेश जैन डाली को सौंपा गया। मं
गया। प्रमुख प्रवक्ता के रूप में नमन
सक्रिय सदस्य के रूप में संजय जैन
जैन एवं आनंद जैन को शामिल कर
वरिष्ठ संरक्षण समिति में प्रकाश चंवं
कुमार जैन, दिलीप कुमार जैन, धन्य
सुनील जैन अधिवक्ता, अरविंद जं
काव्यकार, नंदरा जैन, बाबुलाल किरा
कार्यक्रम के दौरान सभी पदाधिकारि
समाज हित में कार्य करने का संकल्प



का के
रात।
न
खं
गा।
नर

होती सौंपी गई। कोषाध्यक्ष पद पर अ
जैन एवं सोनु जैन को नियुक्त किया
यद पर सुरेंद्र जैन, राजीव जैन एवं अ
को नियुक्त किया गया।
र्व नगर पालिका उपाध्यक्ष), रितेश ज
न, चंद्र कुमार जैन, देवेन्द्र कुमार जैन-
गार जैन, देवेन्द्र कुमार जैन (चौधरी ब्रह्म
सुनील जैन (नमन रेडीमेड), संजय
शलभ जैन, राकेश जैन (एसटीडी)
नया। सदस्यों ने पूज्य आर्यिका मां भाव
नया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समा



राज जैन को नियुक्त किया गया।
या, जबकि मीडिया प्रभारी का दायित्व
शेक जैन (लकी) को मनीनीत किया
संदीप जैन, डॉ. सौरभ जैन, अनुराग
निधि ज्वैलर्स), राजकुमार जैन, नरेंद्र
सुनील जैन (मैनेजर), राजेश पटेल
जैन (श्रृंगार ज्वेलर्स), अशिल जैन
नवीन जैन को शामिल किया गया।
मति माताजी का आशीर्वाद प्राप्त क
रत उपस्थित रहे।

वृत्ताकार सहकारी समिति के वरिष्ठ कर्मचारी मदन लाल श्रीवास्तव का सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह संपन्न



हरिभूमि म्यूज सिमनी। वृत्ताकार सहकारी समिति मर्यादित सिमनी (पंजीयन क्रमांक 53) के वरिष्ठ कर्मचारी श्री मदन लाल श्रीवास्तव के 62 वर्ष पूर्ण सेवाकाल एवं विपश्चिन्वृत्ति के अन्तर्धर परि समिति कार्यवाह सिमनी में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति के प्रदाध्यायजी, कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिकों में श्री उपस्थिति में श्री श्रीवास्तव को उनके दीर्घकालीन, समर्पित एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। अपने सेवाकाल के दौरान मदन लाल श्रीवास्तव ने समिति के विकास, विकासों के हिलों के संरक्षण तथा सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी कार्यनिष्ठा, ईश्वरमानी एवं सेवाभाव के कारण वे समिति परिवार के बीच सदैव सम्मानित एवं लोकप्रिय रहे हैं। समारोह के दौरान वक्ताओं ने श्री श्रीवास्तव के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। उपस्थितजनों ने उनके वसुध, सुखद एवं समृद्ध जीवन की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में समिति के उपाध्यक्ष श्री रमन लाल दादवा, समिति प्रबंधक श्री प्रदीप शर्मा, मध्य प्रदेश सहकारिता समिति कर्मचारी युनिवर्स के जिला अध्यक्ष श्री बंशी लाल, कृषि शाखा के बीच मैनेजर श्री दिनेश बहदुराणी सहित समिति कर्मचारी श्री जितेंद्र बांसी, श्री मुकेश बघेल, श्री राकेश सूर्यवंशी, श्री महेश जैन एवं श्री विमलेश बघेल तथा समिति के सम्पन्न कर्मचारियों उपस्थित रहे। समारोह का समापन श्री मदन लाल श्रीवास्तव के सम्मान में शुभकामनाओं एवं आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। उपस्थित सभी लोगों ने उनके द्वारा दी गई सेवाओं को स्मरण करते हुए उनके जीवन के आगामी चरण के लिए शुभेच्छाएं व्यक्त कीं।

अवैध उत्खनन के बीच खूनी संघर्ष

अधिकारी कर्मचारी किसी भी घटना दुष्टदत्ता और शिकायतों को जरा भी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। जिससे अफसरशाही चलेगी। सीमा पार कर गई है बरघाट विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कन्नागांव में रविवार को अवैध उत्खनन को लेकर ऐसा विवाद भड़क उठा जिसने पारिवारिक रिश्तों को भी तार-तार कर दिया।

जानकारी के अनुसार अवैध उत्खनन को लेकर दो सगे भाइयों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें नौशाद खान गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद काफी समय से चल रहा था, लेकिन रविवार को स्थिति अचानक बेकाबू हो गई। कहासुनी के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते मामला हिंसक झड़प में बदल गया। संघर्ष के दौरान नौशाद खान को गंभीर चोट आई, जिसके बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

एक गंभीर हालत में बल्काल जिला

अस्पताल रेफर

बरघाट ब्लाक की परंपरा अनुसार जो अब सही तरीके से कहा भी अछूती नहीं है घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों और परिजनों की मदद से घायल नौशाद खान को उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। चिकित्सकों ने उनका हालत गंभीर माने देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला चिकित्सालय सिवनी रेफर कर दिया, जहां उनका इलाज जारी है। सूत्रों के अनुसार घायल की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है।

विभाग निरंकुश अवैध उत्खनन बना विवाद की जड़

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध उत्खनन की गतिविधियों को लेकर विवाद और असंतोष बना हुआ है। कई बार इस संबंध में शिकायतें भी की गईं, लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से तनाव लगातार बढ़ता गया। रविवार की घटना ने एक बार फिर अवैध उत्खनन के मुद्दे को चर्चा के

त अवैध खनन से जुड़ा है मामला
रिश्ता दो भाइयों
भीरू रूप से घायल
केंद्र में ला दिया है।
अवैध उत्खनन में रात घटना के बाद गांव
में तनाव का माहौल
खूनी संघर्ष की खबर फैलते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई।
ग्रामीणों के बीच घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होत
रहीं। पुलिस को देखते हुए क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है।
ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना दोबारा न हो।
अरी पुलिस जटी जांच में

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस दोनो पक्षों के बयान दर्ज कर रही है तथा झड़प के कारणों और घटनाक्रम की विस्तृत पड़ताल की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बड़ा सवाल: कब रुकेगा अवैध उत्खनन का खेल?

कन्हरगांव की यह घटना केवल दो भाइयों के बीच हुए विवाद की कहानी नहीं है, बल्कि यह अवैध उत्खनन से उभरे उत्तम तनाव की तस्वीर भी है जो लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में समाजिक और पारिवारिक संघर्ष का कारण बन रहा है। अनेक लोगों की निगाहें प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हैं कि आखिर इस अवैध कारोबार पर कब और कैसे प्रभावी अंकुश लगाया जाएगा। क्या खनिज विभाग अब भी अपनी कुंभकर्ण नींद से जागोगा या नही क्या जिला कलेक्टर के आदेशों की धमियन उत्खनन कर्ता इसी तरह उड़ाते हुए रहेंगे यह समझ के परे है।



सूचना पर पुलिस अधीक्षक द्वारा विशेष टीम गठित कर नागपुर रवाना की गई। टीम ने मोहम्मद हामिद उर्फ इंजीनियर हामिद, उम्र 69 वर्ष, निवासी गांधीबाग, नागपुर को आज उसके निवास से अभिरक्षा में लेकर सिवनी लाया। विवेचना में आरोपी के विरुद्ध अपराधिक तथ्य पाए गए।

म फरार चल रहे आसिफ खान, पिता कासिम खान, निवासी फ़ोनीनगर, गांधीवाड़, सिवनी की 2 वर्षीय, मोबाइल, फ़ोन-पे हिस्ट्री एवं डिजिटल साक्ष्यों पर पाए गए तथ्यों के अनुसार आरोपी आसिफ खान पर मौलाना मजीद खान को ₹7,200 चंदा देकर जकड़ता फैलाने का प्रयास किया था। पुलिस ने आसिफ खान को भी गिरफ़्तार कर लिया। दोनों मोबाइल, फ़ोन-पे व व्हाट्सएप डाटा को विवेचना में लाया गया है तथा प्रकरण में संप्लित अन्य आरोपियों का भी पता लगाया जा रहा है।

पूर्व में गिरफ्तार आरोपी

उल्लेखनीय है कि इस प्रकरण में दिनांक 29/05/2026 को मजदद मौलाना, सिवनी; शेख आबिद, जलपारु; शाकिर अली अलीखान; रफीक खान, सिवनी; मुक्तिदर अहमद, छपरा के गिरफ्तार कर रिमांड प्राप्त किया जा चुका है। गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद हामिद पिता मोहम्मद हनीफ, उम्र 65 वर्ष, निवासी गांधीबाग नानपूर, आसिफ खान पिता कासिम खान, उम्र 32 वर्ष, निवासी सूफीनगर, गांधीबाई, सिवनी दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है।

सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में एमपीआरओ सिवनी सचिन पटेल, निरीक्षक संतोष तिवारी, निरीक्षक अमेधकर ठाकरे, सउत, कंधीलाल सैयाम, सउर जसवंत ठाकुर, प्र.अर. मुकेश गोडाने, मांजरे पाल, आर. सिद्धार्थ दुबे, नितेश राजपुत, कृष्ण भालेकर, सउत इनवार, ममता गणेशिये, सैनिक वकील एवं साबुत टीम की विशेष भूमिका रही। सिवनी पुलिस का संदेश: गौवंश तस्करी व धार्मिक भावनाएं भड़काने की किसी भी साजिश पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लखनादौन में दिगंबर जैन पंचायत महासभा का गठन

लखनादौन हरिभूमि न्यूज प्रतिनिधि छब्बिलाल कमलेशिया। श्री दिगंबर जैन समाज एवं पंचायत सभा के अध्यक्ष विजय जैन (बल्ली) द्वारा आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की शिष्या आर्यिका मां भावना मति माताजी संसंध के पास सान्निध्य में श्री दिगंबर जैन पंचायत महासभा का विस्तार एवं गठन किया गया। गठन के दौरान उपाध्यक्ष पद पर संदीप जैन (वंटी), आलोक जैन, रविंद्र जैन एवं शक्ति पटेल को नियुक्त किया गया। महामंत्री पद के लिए पंकज जैन, नमन जैन, प्रेम जैन एवं नितेश जैन को जिम्मेदारी सौंपी। प्रचार मंत्री के रूप में प्रियंक जैन, सचिन जैन एवं राजेश जैन डाली को सौंपा गया। मंत्री पद पर सुनील जैन। प्रमुख प्रवक्ता के रूप में नमन जैन को नियुक्त। सक्रिय सदस्य के रूप में संजय जैन (पूर्व नगर पंचायत) एवं आनंद जैन को शामिल किया गया। वरिष्ठ एवं अनुभवी समिति में प्रकाश चंद जैन, चंद्र कुमार जैन, दिलीप कुमार जैन, धन्य कुमार जैन, देवेंद्र कुमार जैन, सुनील जैन अधिकवक्ता, अरविंद जैन, सुनील विधायाजक, नंदन जैन, बाबूलाल किराना, शलभ जैन आचार्यक्रम के दौरान सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को समाज हित में कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को समाज हित में कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को समाज हित में कार्य करने का संकल्प लिया।

